Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding shortage of drinking water in Delhi.

श्री रमेश बिधूड़ी (**दक्षिण दिल्ली**) : अध्यक्ष महोदय, यह दिल्ली का एक बहुत ही संवेदनशील विषय है । केवल दक्षिणी दिल्ली का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण दिल्ली के अंदर पीने के पानी की गंभीर समस्या है । यहां के मुख्यमंत्री ने सात साल पहले कहा था कि मैं पूरी दिल्ली में नल से जल दूंगा । लेकिन वसंत कुंज जैसी कॉलोनी, जहां पर डीडीए ने लोगों को फ्लैट्स अलॉट किए हैं, ई-वन जैसी कॉलोनी है, वहां लगभग 2,200 फ्लैट्स हैं । उसी प्रकार से छतरपुर एरिया है, तुगलकाबाद एरिया है, टेल एंड पर गांवों के बार्डर्स पर जो घर बने हुए हैं, वहां पर पीने के पानी की गंभीर समस्या है । सर्दियों के समय भी लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यह कहा था कि मैं पानी के टैंकरों को समाप्त करूंगा । उन्होंने तीन गुने टैंकर्स कर दिए हैं और दिल्ली में माफियाओं के माध्यम से पानी की काला बाजारी की जाती है । हर व्यक्ति का यह फंडामेंटल राइट्स है कि उसके लिए पीने के पानी की व्यवस्था सरकारें कराएं । लेकिन दिल्ली की जो राज्य सरकार है, उसकी कोई मेन्टालिटी नहीं है कि किस प्रकार से गरीब लोगों को पानी दिया जाए । जिन लोगों ने डीडीए से फ्लैट्स खरीदे हैं, उन फ्लैटों को सरकार ने अलॉट किया है । डिस्क्रिमिनेशन के आधार पर दिल्ली की सरकार, क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड का काम है कि वहां पर पानी उपलब्ध कराए, लेकिन वह ऐसे फ्लैटों में पानी नहीं देना चाहती है । कैसे लोग चार मंजिले भवन पर पानी लेकर चढ़ते होंगे, आप इस बात का अंदाजा लगा सकते हैं ।

मैं चाहता हूँ कि आपके माध्यम से मेरी बात दिल्ली सरकार तक पहुंचे । आप चीफ सेक्रेटरी को जरूर कहें कि दिल्ली में कम से कम पीने के पानी की तो व्यवस्था की जाए । जैसा कि मैंने संगम विहार, तुगलकाबाद, छतरपुर और

रंगपुरी एरियाज़ के बारे में बताया है । अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ।